हिन्दी

सेमेस्टर-II

Nomenclature of the Course: **मध्यकालीन हिन्दी कविता**

Course Code: **B23- HIN-201**
Course Type: CC-2/M**CC-3**
Level of the Course: **200-299**

Credits: 4 (Theory 3, Tutorial 1) Total Marks: 100
External Exam Marks: 70
Internal Assessment: 30
Time: 3 Hrs.

Workload: 4 Hours (3 hours theory and 1 hour tutorial; Tutorial group size for explanation and questions will be 20 students)

Course Learning Outcomes:

B23- HIN-201-1 The students will be able to understand various components of poetry.
B23- HIN-201-2 Perusal of essays type will enrich their knowledge of different poetry styles.
B23- HIN-201-3 The students will be acquainted with Writers of Critical Poetry.
B23- HIN-201-4 The students will be able to critical aspects of Poetry.

पाठ्य विषय

इकाईः 1 **व्याख्या हेतु पाठ्य पुस्तक:**

कबीरदास (सम्पादक बाबू श्याम सुंदरदास) कबीर-ग्रंथावली - साध को अंग, विचार को अंग, उपदेश को अंग, गुरुशिष हेरा को अंग, पद (राग गौड़ी) (१-१० पद)।

जायसी सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पदमावत) नागमती वियोगखंड।

इकाईः 2 **तुलसीदास** (सुन्दर काण्ड) गीता प्रेस गोरखपुर।

सूरदास (सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा) सूरसागर (पहले 25 पद)

इकाईः 3 **कबीर** का तात्विक चिंतन, रहस्यवाद, काव्य-कला, विद्रोह भावना, कबीर की भक्ति भावना, कबीर का समाज दर्शन, कबीर का काव्य-सौन्दर्य।

जायसी साहित्य में प्रेमभावना, प्रेमाख्यान परम्परा में जायसी का स्थान, जायसी का श्रृंगार वर्णन, पद्मावत की कहानी और जायसी का रहस्यवाद, जायसी का लोकतत्व, जायसी काव्य की कथानक रूढियां।

इकाईः 4 **तुलसीदास** और उनका युग, सामाजिक चेतना, रामकाव्य परम्परा में तुलसी का स्थान, तुलसी साहित्य का काव्य सौष्ठव, लोकनायक तुलसी, तुलसी का दार्शनिक चिंतन, रामचरित मानस की प्रासंगिकता, तुलसी साहित्य की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि।

सूरदास के सूर साहित्य का वात्सल्य, सूर साहित्य में वाग्वदग्ध्य, सूर साहित्य का काव्य सौंदर्य, सूर साहित्य में बृज संस्कृति, सूर साहित्य में प्रकृति के विभिन्न रूप, सूरदास की भक्तिभावना।

पाठ्य पुस्तकें:

1. आचार्य शुक्ल : सूरदास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

2. आचार्य शुक्ल : गोस्वामी तुलसीदास, वाणी प्रकाशन।
3. रांगेय राघव : तुलसी का कथ्य शिल्प।
4. रामचन्द्र तिवारी : तुलसीदास, वाणी प्रकाशन।
5. कमलानन्द झा : तुलसी का काव्य विवेक मर्यादा बोध, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. योगेन्द्र प्रताप सिंह : जन-जन के तुलसी, वाणी प्रकाशन।
7. बलदेव वंशी : कबीर की चिंता, वाणी प्रकाशन।
8. कमलाप्रसाद : मध्यकालीन: रचना और मूल्य, वाणी प्रकाशन।
9. शिव कुमार मिश्र : भक्तिकाल और लोकजीवन, वाणी।
10. देवी शंकर अवस्थी : भक्ति का संदर्भ, वाणी प्रकाशन।
11. डॉ. नरेश : सूफी मत और हिन्दी सूफी काव्य।
12. अयोध्या सिंह : उपाध्याय 'हरिऔध' कबीर वचनावली, वाणी।

Note for Paper-Setters:

1. The paper-setter will set essay type 02 questions from each unit (with internal choice). Out of 8 questions student will attempt 4 questions by selecting one question in each unit. Each question will be 15 marks.
2. Question No. 5 will consist of 10 short questions based on all the Five Units. Out of 10 short questions, the students will be required to attempt any five questions. Every short-answer type question will be of 1 mark each.

Evaluation of Internal Assessment

Internal Assessment will be based on the following components.

i.	Class Participation	5 Marks
ii.	Seminar/Presentation/Assignments/ Quiz/Class Test etc.	10 Marks
iii.	Mid-Term Exam	15 Marks